**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1172**

**30 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**वस्त्र क्षेत्र का उन्नयन**

**1172. श्री डी. एम. कथीर आनंद:**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार ने वेल्लोर संसदीय क्षेत्र में वस्त्र क्षेत्र और बुनकर समुदायों के कल्याण और विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और

(ग) तमिलनाडु, विशेषकर वेल्लोर, गुडियाट्टम क्षेत्र में वस्त्र क्षेत्र के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता और विपणन सहायता प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा क्या प्रभावी उपाय किए गए हैं?

**उत्तर**

**वस्त्र राज्य मंत्री**

**(श्री पबित्र मार्घेरिटा)**

**(क) से (ग):** भारत सरकार तमिलनाडु सहित पूरे देश में विभिन्न योजनाओं/पहलों को क्रियान्वित कर रही है, जिसका उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता और विपणन सहायता प्रदान करना है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना; एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी पर केंद्रित उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान, नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास पर केंद्रित राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम); मांग आधारित, प्लेसमेंट उन्मुख, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2; राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, भारत सरकार देश भर में हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने और हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना को क्रियान्वित कर रही है। इन योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/कामगारों को कच्ची सामग्री, उन्नत करघे और एसेसरीज की खरीद, सोलर लाइटिंग यूनिट्स, वर्कशेड के निर्माण, उत्पाद और डिजाइन विकास, तकनीकी और सामान्य अवसंरचनात्मक ढांचे, घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों के विपणन और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (दिनांक 30.06.2024 तक) के दौरान वेल्लोर, गुडियाट्टम क्षेत्र सहित तमिलनाडु में हथकरघा क्षेत्र के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता और विपणन सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए प्रभावी उपाय इस प्रकार हैं:

(i) तमिलनाडु में 14.22 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के लिए 24 हथकरघा क्लस्टर शुरू किए गए हैं, जिनमें से एक हथकरघा क्लस्टर वेल्लोर निर्वाचन क्षेत्र में शुरू किया गया है और अब तक 48.87 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

(ii) तमिलनाडु में **3,400** से अधिक हथकरघा बुनकरों को उन्नत करघे/एसेसरीज उपलब्ध कराए गए हैं।

(iii) तमिलनाडु में हथकरघा उत्पादों की बिक्री को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए **18** विपणन कार्यक्रम आयोजित किए गए और **7.26** करोड़ रुपये की राशि जारी की गई।

(iv) तमिलनाडु के हथकरघा संगठनों को **4.78** करोड़ रुपये के विपणन प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं, जिसमें वेल्लोर क्षेत्र के हथकरघा संगठनों को प्रदत्त **38.87** लाख रुपये शामिल हैं।

(v) तमिलनाडु में बुनकर मुद्रा योजना के तहत **15,000** से अधिक लाभार्थियों को ऋण प्रदान किया गया।

(vi) तमिलनाडु में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत **40,000** से अधिक लाभार्थियों ने नामांकन कराया।

(vii) परिवहन सब्सिडी और मूल्य सब्सिडी के तहत **340** लाख किलोग्राम से अधिक यार्न आपूर्ति की गई, जिससे तमिलनाडु में हर साल लगभग **94,000** हथकरघा संगठन/बुनकर लाभान्वित हुए।

***